हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

11 मां शब्द प्यार, ममता और करुणा का प्रतीक

12 बराही में तुषार व रेणु को किया सम्मानित

खबर संक्षेप

चौगान माता मंदिर में भंडारा आज

झज्जर। शहर के भट्टी गेट स्थित चौगान माता मंदिर में रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। युवा समाज समिति सदस्य मोनू गुर्जर व अनिल सैनी ने बताया कि समस्त मोहल्ला वासियों के सहयोग किया जाने वाला यह तीसरा धार्मिक आयोजन है। प्रातः करीब नौ बजे चौगाना माता मंदिर के समक्ष हवन का आयोजन होगा इसके पश्चात करीब ग्यारह बजे भंडारे की शुरूआत की जाएगी। श्रद्धालु तरुण पंडित व राजेश ने बताया कि भंडारे व सत्संग को लेकर पूरी तैयारियां कर ली गई है। धार्मिक आयोजन के चलते शनिवार सुबह माता मंदिर में रंग-रोगन व साफ-सफाई संबंधी कार्य भी किया गया।

फंदे पर लटका मिला युवक, केस दर्ज

बहादुरगढ़। बाईपास पर नए बस स्टैंड के पास खेतों में बने एक कोठड़े में व्यक्ति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। मानसिक परेशानी से तंग आकर व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। मृतक की पहचान करीब 39 वर्षीय मंजीत के रूप में हुई है। मंजीत लाइनपार का रहने वाला था। वह दिल्ली में नौकरी करता था। बताते हैं कि बीते दो-तीन दिन से वह लापता था। उसका फोन भी बंद आ रहा था। इधर दूसरी तरफ, शुक्रवार की शाम बस स्टैंड के निकट खेतों में बने एक कमरे में व्यक्ति का शव पाया गया। सूचना पाकर सेक्टर 9 चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

नाले में मिला युवक का शव, केस

बहादुरगढ़। गांव कानोंदा में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नाले में मिला है। नाले में गिरकर मौत हुई या कुछ और वजह रही, ये तफ्तीश का विषय है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से असल पुष्टि हो सकेगी। मृतक की पहचान बिट्टू के रूप में हुई है। कानोंदा का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को वह अपने घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा। रात करीब आठ बजे उसका शव गांव के अड्डे के पास नाले से बरामद हुआ। सूचना पाकर सदर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को नागरिक अस्पताल में रखवाया गया। बिट्टू की मौत पर परिजनों को शंका है। तमाम शंकाएं पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के बाद दूर हो सकेंगी। पुलिस जांच में जुटी है।

ऑपरेशन सिंदूर : भारत- पाक में सीजफायर की खबरों के बीच दिनभर तैयारियों में जुटे रहे अधिकारी

अलर्ट मोड पर प्रशासनिक अमला, कंट्रोल रूम तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

सरकार के दिशा निर्देशानुसार जिला प्रशासन पूरी सजगता और सतर्कता से आपदा प्रबंधन की तैयारियां कर रहा है। सभी विभाग मिशन मोड में आपसी समन्वय बनाते हुए सभी तैयारियों को बेहतर तरीके से पूरा करें। इस समय लोगों तक सही सूचना पहुंचाना भी सुनिश्चित हो ताकि किसी प्रकार की अफवाह न फैल पाए। यह बात अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कही। बैठक से पहले वीसी के माध्यम से सीएम नायब सिंह सैनी और मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

■ मुख्यमंत्री ने जिले के अधिकारियों के साथ वीसी से की बैठक

झज्जर। लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक लेते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल।

24 घंटे 24x7 कंट्रोल रूम सक्रिय

डीसी ने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम (दूरभाषः 01251-254270) स्थापित किया जा चुका है जो चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगा। इसके अतिरिक्त डायल 112 पर आगजनी की घटना, चिकित्सा सुविधा के लिए मदद लें। नागरिक सुरक्षा के तहत वॉलंटियर्स की भर्ती प्रक्रिया आरंभ की जा रही है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्यों में प्रशासन को सहयोग मिल सके। जिला प्रशासन द्वारा आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए जरूरी वॉलंटियर्स को ट्रेनिंग भी रविवार से शुरू की जा रही है।

भवनों में हो निकासी योजना : डीसी ने आपदा प्रबंधन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि सभी सरकारी और निजी बड़ी इमारतों में आपात स्थिति के लिए निकासी योजना तैयार की जाए और इसे चस्पा भी किया जाए। बहादुरगढ़, बादली और बेरी के एसडीएम को निर्देशित किया गया है कि वे अपने उपमंडल में स्थित महत्वपूर्ण भवनों में इस योजना की समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खास तौर से जिला के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित भवनों में निकासी योजना बनाने और चस्पा करने की जरूरत है।

सख्ती से निगरानी के निर्देश

डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं की जमाखोरी या कालाबाजारी न हो। अवैध भंडारण पर तुरंत कार्रवाई की जाए। साथ ही जिले में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व परिवहन सामान्य रूप से जारी रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। डीसी ने जिलेवासियों से किसी भी अपुष्ट सूचना को साझा ना करने की अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया मैसेज, फोटो या वीडियो को बिना जांचे-परखे आगे न बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि केवल भारत सरकार, हरियाणा सरकार और जिला प्रशासन द्वारा जारी की गई आधिकारिक सूचनाएं ही सत्य और भरोसेमंद हैं।

ड्रोन, ग्लाइडर, पतंग उड़ाने व आतिशबाजी पर प्रतिबंध

झज्जर। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और वर्तमान सुरक्षा के मद्देनजर जिलाधीश स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले में ड्रोन, ग्लाइडर, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, चाइनीज माइक्रो लाइट्स, पतंगबाजी व आतिशबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले में किसी भी प्रकार का ड्रोन, ग्लाइडर/अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम, माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, पावर ग्लाइडर, हॉट एयर बैलून, पतंग उड़ाना, चीनी माइक्रो लाइट्स और किसी भी तरह की आतिशबाजी (फायरवर्क्स व फायरक्रैकर्स) पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध सभी प्रकार के आयोजनों व समारोहों पर भी लागू होगा। केवल पुलिस विभाग या सीआईडी द्वारा नागरिक सुरक्षा के उद्देश्य से प्रयोग किए जाने वाले ड्रोन को इस प्रतिबंध से छूट रहेगी। आदेशों के अनुसार यह निर्णय हाल ही में घटित पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा संबंधी स्थिति को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनता का जोश 'हाई'

वेटरन एयर वारियर्स भी सेवाएं देने को तैयार

बहादुरगढ़। वेटरन एयर वारियर्स एसोसिएशन की एक मीटिंग शनिवार को शहर के गोरैया पर्यटन केंद्र में हुई। बैठक में पहलगाम हमले के बाद देश में बनी युद्ध जैसी स्थिति पर विचार विमर्श किया गया। प्रधान विजय कालीरामना ने सभी पदाधिकारियों के विचार सुनने के उपरांत कहा कि वर्तमान हालात को देखते हुए पूर्व वायुसैनिक आवश्यकता अनुसार अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हैं। आतंक के खात्मे के साथ ही ये हालात भी समाप्त होने चाहिएं। इस दौरान सुनील डांगी गुभाना व शमशेर सिंह देशवाल को वायुसेना के बाद अन्य विभागों से रिटायर होने पर सम्मानित किया गया।

हर जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं पूर्व सैनिक

बहादुरगढ़। पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति बनने पर पूर्व सैनिक भी हर तरह से सहयोग देने के लिए भी आगे आए हैं। इलाके के पूर्व सैनिकों ने शनिवार को बहादुरगढ़ में इकट्ठे होकर देश की सरकार से युद्ध जैसी स्थिति में अपनी जिम्मेदारी लगाने की अपील की। त्रिवेणी पूर्व सैनिक संगठन की बैठक संगठन के आर्य नगर स्थित कार्यालय में हुई। प्रधान श्रीनिवास छिकारा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सेवानिवृत्त सैनिकों ने भाग लिया। ताजा हालात पर बैठक में विचार विमर्श किया गया। सभी पूर्व सैनिकों ने सरकार से खुद को ऑपरेशन सिंदूर यानी दुश्मन के खिलाफ युद्ध में शामिल होने की पेशकश की। उनके अनुसार सभी ने खुद को शारीरिक दृष्टि से भी फिट करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। युद्ध होने पर वे पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देंगे। बैठक में हवलदार विनोद, सूबेदार उमेद सिंह दलाल, नायक रामवीर राठी, हवलदार महेंद्र सिंह, धनराज तहलान, हवलदार रणधीर तूर, नायक भूपेंद्र, हवलदार जगमेंद्र और पवन कोच ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

छात्रों को सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण दिया

बहादुरगढ़। श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में प्रिंसिपल ललिता ने देशभर में युद्ध जैसी परिस्थितियों से निपटने की तैयारी के तहत स्कूल मॉक ड्रिल करवाई। स्कूल के पीटीआई गणेश ने छात्रों को सिविल डिफेंस से जुड़े विशेष प्रशिक्षण दिए। प्रिंसिपल ने बच्चों को बताया कि मॉक ड्रिल सिर्फ एक अभ्यास नहीं, बल्कि आपात स्थिति में सुरक्षा सुनिश्चित करने का अहम जरिया है। यह युद्ध या आपदा जैसी किसी बड़ी आपात स्थिति से पहले की जाने वाली तैयारी होती है। मौजूदा हालातों को देखते हुए हमें किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इसी के तहत

अफवाहों से बचें, केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करें : डॉ. राजश्री

झज्जर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद मौजूदा हालात को देखते हुए जिला पुलिस द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने आमजन को जागरूक करते हुए कहा कि सावधान रहें, घबराएं नहीं। उन्होंने कहा कि किसी हवाई हमलों के दौरान घर में सुरक्षित कमरा पहचाने, जहां खिड़कियां न हो। वहीं बाहर होने पर पास के मजबूत ढांचे या निचली जगह में लेट जाएं। तत्काल रिकॉर्डिंग या वीडियो बनाने के लिए बाहर न दौड़ें। इमरजेंसी किट तैयार रखें। पहचान पत्र, जरूरी दवाइयां, पानी, सूखा खाना, मोबाइल चार्जर, फ्लैशलाइट किट एक बैग में रखें जो तुरंत उठाकर निकला जा सके। उन्होंने कहा कि अफवाहों से बचें, केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करें। व्हाटसएप, ट्विटर व फेसबुक पर फैली खबरों की पुष्टि करें। मानसिक संतुलन बनाए रखें, दिन में दो बार से ज्यादा खबरें न देखें। इसके अलावा पूजा, प्रार्थना या ध्यान करें। बच्चों से डर की बात नहीं, दिनचर्या बनाए रखें, समुदाय के साथ जुड़ें। पड़ोसियों से संपर्क रखें, बुजुर्गों की सहायता करें। कोई भी संदिग्ध वस्तु दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

गांवों के बाद अब शहर में भी लगेंगे सायरन

बहादुरगढ़। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए जिले के अधिकांश गांवों में सायरन लगाए जा चुके हैं। अब बहादुरगढ़ में नगर परिषद द्वारा भी मुख्य स्थानों पर सायरन लगाए जाएंगे। इसे लेकर शनिवार को कार्यालय में चेयरपर्सन सरोज राठी की अध्यक्षता में एक बैठक हुई।

नगर परिषद की तैयारी : बैठक में भारतीय सेना को सलाम करते हुए चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि सरकार व जिला प्रशासन द्वारा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। हमें इन हिदायतों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। आपातकालीन स्थिति से लोगों को अवगत करवाने के लिए नगर परिषद द्वारा बहादुरगढ़ शहर के प्रमुख स्थानों पर सायरन लगाए जाएंगे। बैठक में कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला, वाइस चेयरमैन राजपाल शर्मा, पार्षद नीना राठी, सुनैना मलिक, ज्योति रोहिल्ला, अन्नू रानी, राजेश तंवर, अश्वनी शर्मा, प्रवीन छिल्लर, बिजेंद्र दलाल, अशोक शर्मा, विनोद जांगड़ा, संदीप दहिया, रजनीश मोनू, बलराम दलाल, राजेश मकडोली, सचिन दलाल, हरिमोहन धाकरे, सिकंदर, कर्मवीर शर्मा, एसआई सुनील हुड्डा, जेई आकाश व जेई आशीष आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बैठक में सायरन खरीदने पर चर्चा करती चेयरपर्सन सरोज राठी व पार्षद।

फर्जी खबरों से रहें सावधान, पीआईबी फैक्ट चेक से करें पुष्टि

झज्जर। सोशल मीडिया पर वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ में झूठी खबरों और भ्रामक प्रचार की आशंका के चलते प्रशासन ने नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील की है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी संदिग्ध पोस्ट या मैसेज को साझा करने से पहले उसकी प्रामाणिकता जांचें और अफवाहों से बचें। यदि कोई संदिग्ध या भ्रामक पोस्ट दिखाई दे तो पीआईबी फैक्ट चैक से तुरंत संपर्क करें। पीआईबी के व्हाट्सएप नंबर +91 8799711259 पर उस संदिग्ध सूचना के बारे में प्रमाणिकता जांची ज सकती है व इसके अलावा पीआईबी के ईमेल **socialmedia@pib.gov.in** पर वह संदिग्ध सूचना भेजी जा सकती है। जिसके बाद पीआईबी के फैक्ट चैकर द्वारा उक्त सूचना की प्रमाणिकता को जांचा जाता है। जिला प्रशासन की ओर से दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर वायरल किसी भी संदिग्ध सामग्री पर तुरंत विश्वास न करें। भारतीय सेना या देश से जुड़ी किसी भी संवेदनशील सूचना को साझा करने से पहले उसकी पुष्टि अवश्य करें। देश की सुरक्षा और एकता के लिए सतर्क और जागरूक नागरिक बनें।

आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी पर प्रतिबंध

झज्जर। जिलाधीश स्वप्निल रविंद्र पाटिल वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया है। आदेश के अनुसार जिले में खाद्य वस्तुओं जैसे चावल, गेहूं, दालें, खाद्य तेल, सब्जियां, दुग्ध उत्पाद, दवाइयां, पेट्रोल-डीजल सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी या स्टॉक करना कानूनन अपराध माना जाएगा।

कार ने टेंपो को टक्कर मारी, दो लोग घायल

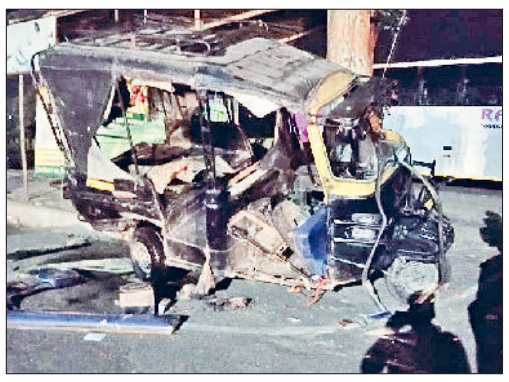

झज्जर। घटनास्थल पर खड़ा क्षतिग्रस्त टेंपो।

घायल को ले जाते कर्मचारी।

झज्जर। शनिवार देर शाम करीब पौने आठ बजे झज्जर-दादरी फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार कार ने टैंपों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में जहां टैंपों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वहीं टैंपों में सवार दो लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान जहाजगढ़ निवासी जगत तथा छारा गांव निवासी पवन के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार जगत टैंपों चालक का कार्य करता है जबकि पवन की जहाजगढ़ में वैद्य की दुकान है। दुर्घटना के बाद गंभीर रूप से घायल पवन व जगत को उपचार के लिए शहर के नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया। बाद में सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए साक्ष्य जुटाएं। पुलिस द्वारा इस संबंध नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

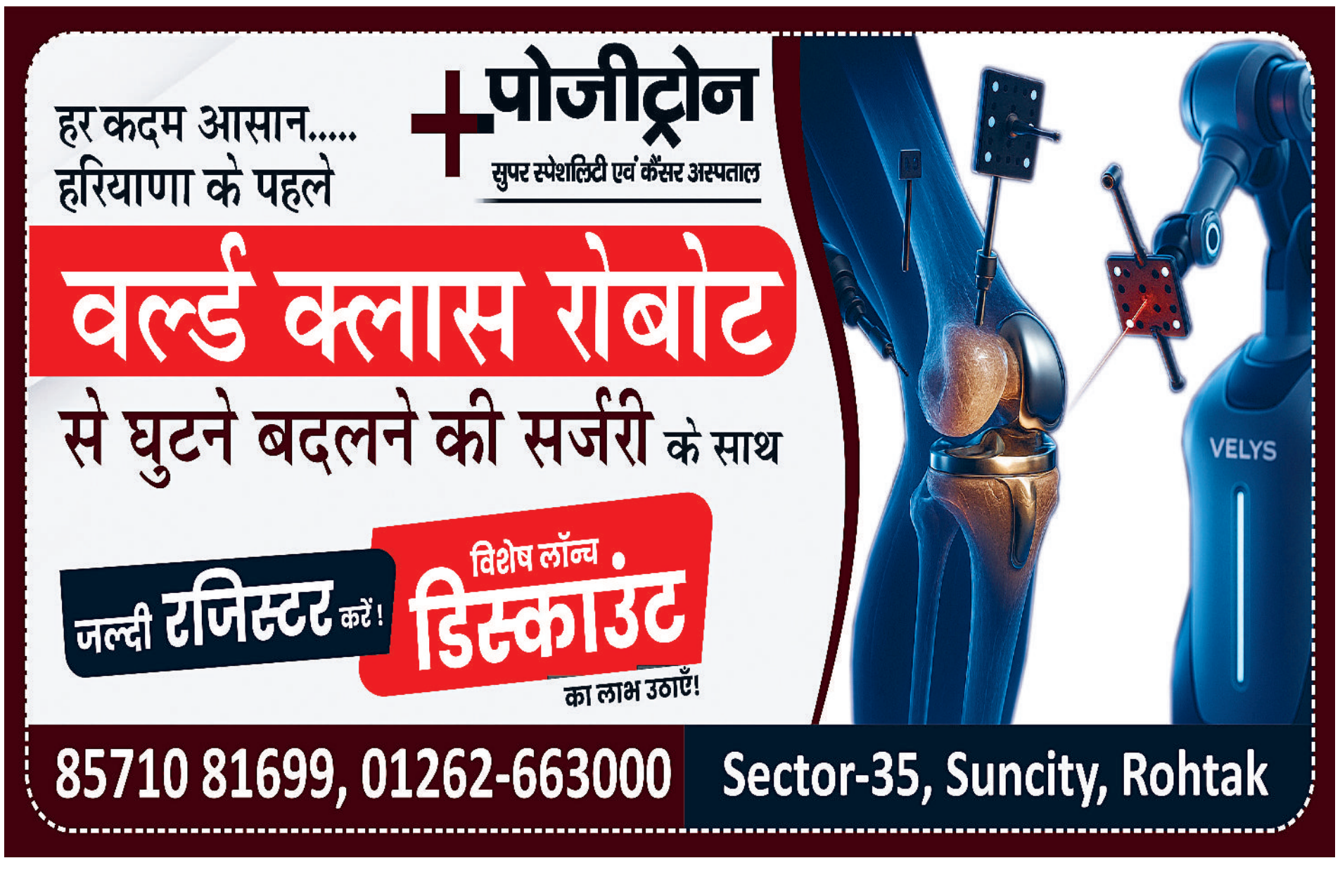

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर
लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ
अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी
अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प
अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध
अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें
अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स
■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें
लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें
ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार
बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परारी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा
ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत
फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि
पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक
अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 **bps** रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टफोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए
हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)
पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस
अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम
अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)
अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट
घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती
यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट
यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा
यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश
डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश
इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश
इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें
- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड
इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं
1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे
1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

विद्यार्थियों ने नाटक, कविता व गीतों से बताई मां की महिमा

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने किया भाव विभोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ अभिभावकों के लिए म्यूजिकल चेयर का किया आयोजन

महर्षि दयानंद स्कूल खुड्डन में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को भाव विभोर किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भागीदारी की। ऐसे में अभिभावकों के लिए म्यूजिकल चेयर, अपने बच्चे की पहचान, बलून एक्टिविटी, ट्विन वर्ड्स एक्टिविटी, बच्चों के साथ खेल गतिविधिया, मां व दादी मां के साथ ली गई सबसे सुन्दर सेल्फी आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। महिला अभिभावकों ने भी मां की महिमा विषय पर अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम में जिला निपुण संयोजक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया व ऋषिकुल स्कूल के निदेशक कुलदीप आर्य ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में मातृ शक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक मां ही समाज के निर्माण की प्रथम इकाई होती है। मां केवल एक शब्द नहीं, संपूर्ण जीवन दर्शन है। विद्यालय समिति के प्रबंधक रमेश डेरोलिया, सुरेंद्र कोडान, प्राचार्य रामनिवास गहलावत, अकेडमिक इंचार्ज डॉक्टर राजबीर सहवाग, प्लेविंग इंचार्ज अलका रानी व सुदेश पूनिया और समर्पित शिक्षकों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किए गए।

मां का प्रेम अनमोल : डॉ. महिपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में मातृ दिवस मनाया
■ नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों ने प्रस्तुत किए कार्यक्रम

संस्कारम्-इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भागीदारी करते हुए गीतों, पोस्टर मेकिंग, भाषण व नृत्य आदि गतिविधियों के माध्यम से मातृदिवस के महत्व से अवगत कराया। संस्था के प्राचार्य पृथ्वीराज यादव ने कहा कि मां के साथ हर दिन विशेष होता है। मां त्याग की मूरत है वह दिन- रात मेहनत करती है ताकि हम एक बेहतर जीवन जी सकें।

मां देती है लड़ने का हौसला

मां हमें सही रास्ता दिखाती है और हमारे जीवन में आने वाली हर मुश्किल से लड़ने का हौसला देती है। संस्था के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि मां शब्द प्यार, ममता और करुणा का प्रतीक है। मां का प्रेम दुनिया का सबसे अनमोल प्रेम है। उन्होंने विद्यार्थियों को माता- पिता का सम्मान करने की सीख देते हुए विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य पृथ्वीराज यादव ने कहा कि मां हमेशा हमारे कल्याण की चिंता करती है। हमें मां की भावनाओं को समझना चाहिए।

बच्चों के लिए अटूट होता है मां का प्यार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ माता का स्थान भगवान से भी बढ़कर : विनोद कुमार

एमआर स्कूल हसनपुर में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ एमआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक सोमबीर कोडान व सदर थाना प्रभारी विनोद कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए किया। उन्होंने विद्यार्थियों को माता-पिता के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि माता का स्थान भगवान से भी बढ़कर होता है। इसीलिए कभी भी उनका मन अपने गलत कार्यों से दुखी नहीं करना चाहिए।

माता-पिता से बढ़कर कोई शुभचिंतक नहीं हो सकता। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की कविताएं, नाटक, एकल व समूह नृत्य के माध्यम से मां के महत्व को दर्शाया। विद्यालय निदेशिका संगीता कोडान ने कहा कि जीवन में उन्नति के शिखर पर जाने व कामयाब होने के लिए माता-पिता के प्रति सम्मान का भाव रखना बहुत जरूरी है। एक मां का आंचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता।

मां का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि वह अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है। इस दौरान विद्यालय के उपनिदेशक सुभाषचंद्र यादव ने भी संबोधित किया। प्राचार्या नेहा शर्मा ने कार्यक्रम में शामिल हुईं सभी महिला अभिभावकों व अतिथियों का आभार जताया।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में मातृ शक्ति का किया सम्मान

बहादुरगढ़। डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में प्री-नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों द्वारा मातृ दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल राजदीप कुलश्रेष्ठ ने डॉ. शालू के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुरू करवाया। छात्रों ने माताओं के सम्मान में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। माताओं के लिए विभिन्न मनोरंजक और रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके परांत शिल्पा, प्रिया, सपना, आरती, पूजा और अदिति को पुरस्कृत किया गया। डॉ. शालू ने स्कूल की प्रगति को सराहा। साथ ही मातृ शक्ति को सम्मानित किया।

सैनिक पब्लिक स्कूल में माताओं को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। सैनिक पब्लिक स्कूल में शनिवार को मदर्स-डे के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम हुआ। माताओं के त्याग, समर्पण और निस्वार्थ प्रेम के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल बीएल भारद्वाज ने मां की महानता का बखान किया। इसके बाद तंबोला, म्यूजिकल चेयर, बिंदी गेम, रैंप वॉक आदि मनोरंजक खेल गतिविधि हुई। जिसमें माताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपना स्नेह दर्शाने के लिए अपनी माताओं के लिए कविता और नृत्य प्रस्तुत किए। ऊषा भारद्वाज ने विजेता माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया।

डांस प्रतियोगिता में कल्पना प्रथम, दया द्वितीय व कामिनी तृतीय स्थान पर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आदर्श स्कूल दादनपुर में मदर्स डे के उपलक्ष्य में भावनात्मक और रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान डांस, कविता पाठ, भजन गायन, बिना आग के खाना बनाना, बच्चों के साथ ट्विनिंग कंपीटिशन, मेहंदी रचाना, ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता परिणामों में डांस प्रतियोगिता में कल्पना ने प्रथम, दया ने द्वितीय और कामिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इनके अलावा प्रीति, मोनिका व अंजू का नृत्य भी सराहनीय रहा। कविता पाठ में रीमा प्रथम, प्रियंका द्वितीय व प्रिया तृतीय रही जबकि पूजा व पुष्पा की कविताओं को भी श्रोताओं द्वारा सराहा गया। महिला अभिभावकों के लिए आयोजित बिना आग के खाना बनाने की प्रतियोगिता में ममता ने स्वादिष्ट दही-भल्ले और सैंडविच बनाकर पहला, शिल्पा और ज्योति ने बिना बेक किए स्वादिष्ट केक तैयार करके दूसरा व नैन्सी ने कस्टर्ड और फ्रूट रायता बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिताओं के भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों व महिला अभिभावकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में स्कूल की डायरेक्टर सीजू, वाइस प्रिंसिपल सुनील और प्रिंसिपल जय प्रकाश यादव शामिल रहे। उन्होंने कहा कि एक मां समाज की नींव होती है और उसका सम्मान करना हमारी संस्कृति की पहचान है।

अशोका इंटरनेशनल में मातृ दिवस मनाया

बहादुरगढ़। अशोका इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस उत्साह और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर माताओं ने अपने बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग रैंप वॉक और शो योर टैलेंट जैसी गतिविधियों से हुई। जिनमें माताओं ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपनी माताओं को खुद के बनाए हुंए सुंदर मदर्स डे कार्ड भेंट किए, जिससे माहौल भावुक और खुशियों से भर गया। सेल्फी कॉर्नर ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया, जहां माताओं ने अपने बच्चों के साथ सेल्फी लेकर इस खास दिन की यादों को संजोया। स्कूल निदेशिका विजयलक्ष्मी ने कहा कि मां बच्चे की पहली शिक्षिका और उनके जीवन की महत्वपूर्ण मार्गदर्शिका होती है।उन्होंने प्रतिभागी माताओं को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।

फाउंडेशन स्कूल में मनाया मातृ-दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शनिवार को फाउंडेशन पब्लिक स्कूल में मातृ-दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की माताओं ने रेंप वॉक में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और म्यूजिकल चेयर में भी उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने अपने बचपन को याद किया। रंभ नर्सरी के विद्यार्थियों के मनमोहक स्वागत गीत से हुआ। मंच संचालन करते हुए शिक्षिका ललिता शर्मा ने सभी माताओं का स्वागत किया। प्री-नर्सरी से लेकर सीनियर केजी तक के छात्र-छात्राओं ने अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। बच्चों ने सुंदर काड्र्स बनाकर माताओं के प्रति अपने लगाव, सम्मान और संवेदनाओं को व्यक्त किया। रंग-बिरंगी पोशाकों में कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जूनियर केजी के छात्र-छात्राओं ने "तेरी उंगली पकड़के चला'' गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। सार्थक ने एक सुंदर कविता प्रस्तुत की। डॉ नरेश कुमारी ने सभी माताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि मां का सम्मान हर दिन करना चाहिए। प्रधानाचार्या मोनिका राठी और निदेशक हर्षदीप राठी ने कहा कि हमें अपने बच्चों को संस्कार देने होंगे। बच्चे भी माता पिता को हर दिन, हल पल सम्मान दें।

एल ए स्कूल में मदर्स डे पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ स्कूल प्रबंधक के एम डागर व प्राचार्या निधि कादियान ने माताओं का स्कूल में पहुंचने पर स्वागत किया

एल ए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मदर्स-डे सेलिब्रेशन किया गया। जिसमें कक्षा छठी से कक्षा आठवीं तक के बच्चों की माताओं ने भाग लिया। कक्षा सातवीं से छात्रा उर्वशी ने सुंदर गीत प्रस्तुत किया।

स्कूल प्रबंधक के एम डागर व प्राचार्या निधि कादियान ने सभी माताओं का अपने स्कूल में पहुंचने पर स्वागत किया। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया ने इस बेहतरीन आयोजन के लिए सभी मदर्स का आभार जताया व पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आकर्षक बोतल व विभिन्न डिजाइन वाले मटके बाजार में उपलब्ध

गर्मी में बढ़ने लगी मिट्टी के मटकों की डिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

तापमान में हो रही वृद्धि के कारण गर्मी बढ़ने लगी है। आजकल जहां तापमान 37 डिग्री सेल्सयिस तक जा पहुंचा है वहीं आगामी दिनों में पारा 41 डिग्री सेल्सियस होने की संभावना है। लोगों ने प्राकृतिक रूप से किए गए शीतल पानी की चाह में मिट्टी के मटकों की खरीददारी करनी शुरू कर दी है।

माटी की कारीगरी के रूप में मशहूर छावनी मौहल्ला में आजकल मटके की बिक्री जोरों पर है। यहां साधारण मटकों के साथ-साथ खूबसूरत डिजाइन वाले टोकनी रूपी मटके तथा टूटी लगे मटके भी लोगों की पसंद बने हैं। विभिन्न साइज व डिजाइनों के मटके और सुराही बेचने वाली बुजुर्ग महिला शांति देवी ने बताया कि उनके यहां टूटी वाला मटका, साधारण मटका, छोटी मटकी, बड़े साइज के मटके विभिन्न कीमतों पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि टोकनीनुमा मटके पर जहां आकर्षक डिजाइन बना है वहीं इसकी बनावट भी लोगों को भा रही है। इसके अलावा चिकनी मिट्टी वाली आकर्षक वाटर बोटल को लोगों द्वारा खरीदा जा रहा है। मटका बनाने के व्यवसाय में जुटे नरेश बेडवाल ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद से जब से लोगों ने फ्रिज के ठंडे पानी से किनारा करना शुरू किया है तभी से मटकों की डिमांड भी बढ़ने लगी है। वे पिछले कई दिनों से मटके बनाने में लगे हैं। हालांकि आजकल आसमां में छाए रहने वाले बादलों व दिन में एक बार कुछ समय के लिए आई हल्की बरसात के कारण अभी बिक्री में वो उछाल नहीं आया है। आगामी दिनों में बिक्री और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। यहां के मटके हरियाणा के अलावा निकटवर्ती प्रदेशों में भी सप्लाई होते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है : जानकारों का कहना है कि मटके का पानी शरीर के लिए लाभदायक होता है। इसका शीतल पानी गर्मी के दौरान जहां तेज लू से बचाता है वहीं मिट्टी के बर्तन में रखे पानी के विटामिन और मिनरल्स शरीर में ग्लूकोज लेवल को बनाए रखते हैं। इसके अलावा मटके के पानी से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा मिलता है। अधिक गर्मी में फ्रिज का ठंडा पानी जहां गले को नुकसान पहुंचा देता है वहीं घड़े के शीतल पानी से गले पर किसी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। इनके अलावा मटके का पानी पेट में गैस बनने की समस्या में आराम देता है, ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है, आयरन की कमी को पूरा करने में सहायक है।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में माताओं को सम्मानित करती प्रिया डागर।

डीपीएस में माताओं के लिए म्यूजिकल चेयर्स, ड्राइंग प्रतियोगिता, रैंप वॉक,फन डे एक्टीविटीज करवाई

बहादुरगढ़। दिल्ली पब्लिक स्कूल में शनिवार को 'मदर्स डे' के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की माताओं के लिए एक मनोरंजक और भावनात्मक दिन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल नीरजा ढींगरा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने मातृत्व की महानता और समाज में मां की भूमिका पर प्रकाश डाला। स्कूल प्रबंधक प्रिया डागर ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से सभी माताओं को सम्मानित महसूस कराया। इस अवसर पर माताओं के लिए म्यूजिकल चेयर्स, ड्राइंग प्रतियोगिता, रैम्प वॉक, गेम्स, फन डे एक्टीविटीज और पूल पार्टी का आयोजन किया गया। /"अपने बच्चे की खोज/" गतिविधि में माताओं ने आंखों पर पट्टी बांधकर अपने बच्चों को ढूंढा। सभी प्रतिभागी माताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

98 प्रतिशत सरसों व 94 फीसदी गेहूं का उठान

झज्जर। जिले में रबी सीजन की सरसों व गेहूं खरीद एजेंसियों द्वारा खरीद का कार्य जारी है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले की अनाज मंडियों व परचेज सेंटरों पर गेहूं की एक लाख 98 हजार 152 मीट्रिक टन आवक दर्ज की गई है और एक लाख 86 हजार 777 एमटी गेहूं की खरीद की गई है। जिसमें से 94 प्रतिशत खरीदी गई गेहूं का उठान हो चुका है। वहीं 33 हजार 876 एमटी सरसों खरीद की जा चुकी है, जबकि 35 हजार 94 मीट्रिक टन सरसों की आवक दर्ज की गई है और 98.72 प्रतिशत सरसों का उठान हो चुका है।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। विकास वाल्मीकि व दिनेश कौशिक को स्मृति चिह्न देते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

वुशू खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

बहादुरगढ़। किला मोहल्ला स्थित करोड़ रामलीला भवन में तीसरी हरियाणा स्टेट सब जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स वुशू चैंपिशनशिप का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यअतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक उपस्थित रहे। यहां पहुंचने पर वुशू स्पोर्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने दोनों का जोरदार अभिनंदन किया। वाल्मीकि व कौशिक ने प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

ड्यूटी के लिए निकला युवक वापस नहीं लौटा

बहादुरगढ़। घर से ड्यूटी के लिए निकला एक युवक कई दिन बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटा है। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। शहर के निवासी नरेश का कहना है कि उसका बेटा जतिन गत पांच मई की सुबह अपना बैग लेकर ड्यूटी के लिए घर से निकला था। वह सेक्टर 7 में जॉब करता है। लेकिन शाम को वापस नहीं आया। उसका फोन भी बंद है। अपने स्तर पर काफी तलाश की लेकिन कहीं नहीं मिला। इस सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

खंड के नौ प्राध्यापक प्राचार्य पदोन्नत

बहादुरगढ़। शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई पदोन्नति सूची के अनुसार बहादुरगढ़ ब्लॉक के 9 प्राध्यापकों ने प्रिंसिपल का पदभार संभाल लिया है। प्राध्यापक से कर्मबीर सिंह को जसौरखेड़ी, किरण बाला को कसार, सरिता को बराही, सीमा को रिवाड़ी खेड़ा, किरण बाला को गुभाना, अश्वनी को डाबौदा कलां, ऋषि सहरावत को आसौदा, कप्तान सिंह को कुलासी और कांता देवी को लुकसर स्कूल का प्रिंसिपल बनाया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने सभी प्राचार्यों को शुभकामनाएं दी हैं। डीईईओ मुन्नी सहारण, सतीश शर्मा, प्रमोद शर्मा, रवि धनखड़, सुरेश सैनी, लोकेंद्र सिंह, शमशेर लोहचब, राजकुमार, मंजू रानी, पूनम मक्कड़, संजय मलिक, दिनेश शर्मा व विजय छिल्लर आदि ने भी इन्हें बधाई दी है।

फाइनेंसर के 30 लाख लूटने का मामला, पुलिस ने बरामद की राशि

साथी ने रची थी साजिश, फुफरे भाई के पास पैसे रखे, खुद ही तोड़े शीशे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

बीती रात को छारा टोल के पास लूट की कथित बड़ी वारदात हो गई। यहां एक फाइनेंसर से 30 लाख रुपये लूट की बात सामने आई। वारदात की सूचना पर पुलिस हरकत में आई और कुछ ही घण्टों में मामले को सुलझाया लिया। खुद को लूट का शिकार बताने वाला फाइनेंसर ही वारदात का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उससे 30 लाख की रिकवरी भी कर ली गई है। शुक्रवार की रात करीब साढ़े 9 बजे यह घटनाक्रम हुआ था। पुलिस को दी शिकायत में बिरधाना के निवासी अशोक ने कहा था कि उसका फाइनेंस का व्यवसाय है। इस काम में वीरेंद्र, सुमित, अजय, कप्तान और राजेश उसके पार्टनर हैं। शुक्रवार को दिल्ली के झिलमिल मेट्रो स्टेशन से 30 लाख की पेमेंट आनी थी। बकौल अशोक, छारा का निवासी अंकित भी हमारे साथ काम करता है। मैंने अंकित को रुपये लेने के लिए भेजा और उससे कहा कि कुछ साथियों को अपने साथ ले जाना, लेकिन वह अकेला ही चला गया। देर शाम को उसने फोन कर बताया कि पेमेंट लेकर वह दिल्ली से चल पड़ा है। तब मैंने उससे कहा कि साथ कौन है, तो वह बोला अकेला हूं। वह फोन पर मेरे संपर्क था। रात करीब साढ़े 9 बजे उसकी कॉल आई और बताया कि छारा टोल के निकट स्कार्पियो गाड़ी ने ओवरटेक कर रास्ता रोक लिया। उसमें से तीन युवक निकले और मेरी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। फिर मारपीट कर रुपयों से भरा बैग लेकर चंपत हो गए। सूचना पाकर मैं वहां मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। लूट की सूचना मिलते ही पुलिस आयुक्त समेत उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूछताछ शुरू की। अशोक की शिकायत पर आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। शिकायतकर्ता ने अंकित पर भी शक जताया, वहीं हालातों को देखते हुए पुलिस के शक की सुईं भी उसी पर थी। पुलिस ने हिरासत में लेकर सख्ताई से पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। सामने आया कि उसे फाइनेंस के काम में काफी नुकसान हुआ था। जब अंकित दिल्ली से अपने साथी की 30 लाख पेमेंट लेकर चला तो उसके मन में लोभ आ गया और फिर उसने लूट की झूठी साजिश रची। अपनी बुआ के लड़के के पास उसने पैसे रखवा दिए और खुद ही अपनी गाड़ी के शीशे तोड़ने के बाद लूट की सूचना दी।

वारदात सुलझाई

पुलिस आयुक्त डॉ. राजश्री सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस एक्टिव हो गई थी। कुछ ही देर में यह वारदात सुलझा ली गई है। इस मामले में आरोपी अंकित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

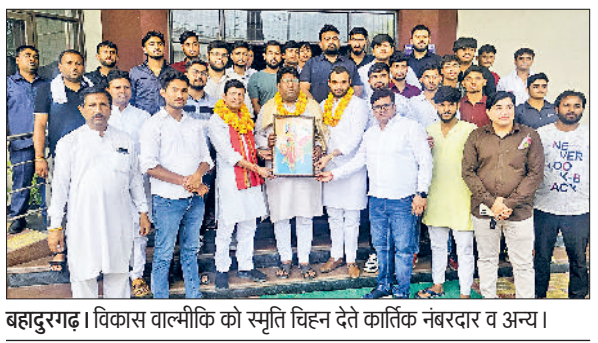

बहादुरगढ़। विकास वाल्मीकि को स्मृति चिह्न देते कार्तिक नंबरदार व अन्य।

युवा भाजपाइयों ने बैठक में की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- युवाओं ने समाज की कमेटी बनाने का दिया सुझाव

भाजपा युवा इकाई के कार्यकर्ताओं की एक बैठक शनिवार को पीडब्लूडी रेस्ट हाउस में हुई। इसमें जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि व विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। कार्तिक शतीश नम्बरदार ने दोनों का अभिनंदन करते हुए स्थानीय समस्याओं से अवगत करवाया। दोनों ने जल्द ही सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। विकास वाल्मीकि ने युवाओं की एक कमेटी का गठन करने पर जोर दिया। युवाओं को अब वॉलेंटियर के रूप में काम करना है। हम सभी का फर्ज बनता है कि संगठित होकर काम करें। भविष्य में अगर स्थिति बिगड़ती है, तो जरूरतमंद लोगों की मदद करना हमारा प्रमुख कार्य होना चाहिए। प्रशासन के निर्देशों का अच्छी तरह से पालन करना है। दिनेश कौशिक ने कहा ने युवा कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाएं।

सेक्टर-6 में सड़क निर्माण का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

लंबे इंतजार के बाद शहर के सेक्टर-6 में शनिवार को सड़क निर्माण का कार्य शुभारंभ किया गया। जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना और हरियाणा शहरी प्राधिकरण एसडीओ श्रीकृष्ण मालिक ने सेक्टर के सबसे बुजुर्ग सूरजभान की मौजूदगी में नारियल तोड़कर सड़क निर्माण कार्य का श्रीगणेश किया। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान अरुण नांदल ने बताया कि पिछले लंबे समय से सेक्टर 6 की सड़कों की हालत खराब थी।

पिछले दिनों जब जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना सेक्टर का दौरा किया तो उन्होंने सेक्टरवासियों की इस लंबित मांग को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने बताया कि सड़कों का कार्य शुरू होने से जल्द ही सेक्टर में आवागमन सुगम होगा। इस मौके पर सीनियर सिटीजन क्लब के प्रधान रणबीर गुलिया, सचिव डॉक्टर नरेश शर्मा, राजेंद्र कौशिक, राज सिंह, धर्मवीर सिंह, राजेश मल्हान, राकेश सांगवान, नवीन यादव, नीरज दलाल सहित अय भी उपस्थित रहे।

झज्जर। सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ पर एकत्रित सेक्टरवासी।

नई गली में भी जमा हो रहा गंदा पानी, परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

कुछ समय पहले बनाई गई श्यामजी कॉप्लेक्स के साथ लगती गली के निर्माण पर सवाल उठ रहे हैं। गली का लेवल ठीक नहीं है और सीवर की गंदगी जमा होने की समस्या गहराई हुई है। इस वजह से आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं। शहर के निवासी सतपाल हाडा ने बताया कि कुछ महीने पहले ही यह गली बनाई गई थी। इसके निर्माण में 19 लाख 12 हजार 256 की लागत आई। आरटीआई के जवाब के तहत उन्हें यह जानकारी मिली है। इतना ही नहीं, जवाब में अधिकारियों ने कहा कि गली में गंदा पानी नहीं भरता। जबकि जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और है।

- श्यामजी कॉप्लेक्स के पास का मामला।

बहादुरगढ़। कुछ समय पहले बनी गली में भरा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

गली में सीवर का गंदा पानी भरा हुआ है। संभवतः लेवल ठीक न होने के कारण पानी जमा हो जाता और निकल नहीं पाता। जलभराव के चलते साथ लगती बिल्डिंग को नुकसान पहुंचेगा। इसके अलावा गंदे पानी के कारण मच्छर, मक्खी पनप रहे हैं। जिससे बीमारियां फैलने का डर है। आसपास दफ्तरों में काम करने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। जन सूचना अधिकार के तहत उन्हें तथ्यों से परे जानकारी उपलब्ध कराई गई है। हाल ही में बनी गली में इस तरह की समस्या होना अपने आप में हैरानी भरी बात है। गलियों का लेवल ठीक होना चाहिए। अन्यथा बरसात होने पर तो स्थिति गंभीर हो जाएगी।

शिविर में 48 युवाओं ने किया रक्तदान, सम्मानित

- युवा शक्ति दुजाना व जनशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के गांव दुजाना में शनिवार को युवा शक्ति दुजाना व जनशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रेडक्रास सोसायटी एवं नागरिक अस्पताल की टीम ने सेवाएं दी। नरेंद्र अहलावत की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में जहां कर्मबीर महराणा व अमित महराणा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की वहीं रोहतास शर्मा, रिंकू मलिक, सचिन, डॉक्टर अनिल व रामानंद दलाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारतीय सेना के सम्मान में लगाए गए इस रक्तदान शिविर में गौरक्षा दल के सदस्य अंकित नागर, धर्म अहलावत, सुरेन्द्र अरोड़ा, मनोज, कृष्ण, कपिल, अमित नारा, विनोद मदाना, जतिन बिरधाना ने भी रक्तदान किया। शिविर के दौरान 48 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। डॉक्टर अमित अहलावत व संजीत नांदल ने बताया कि रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रवि मलिक, रोहित, नवीन यादव, सन्नी यादव, अजय, दीक्षांत, अनिल शर्मा, मास्टर मनोज, अरविंद, आशीष नांदल, दीपक गहलावत, संजय यादव सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। बैज लगाकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए समिति पदाधिकारी।

बराही में तुषार व रेणु को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बिहार के पटना में आयोजित 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स में गांव बराही के तुषार पहलवान ने 66 किलो भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता तथा पहलवान रेणु ने 40 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक जी। शनिवार को जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही समेत सभी ग्रामीणों ने दोनों का स्वागत-सम्मान किया। इनके कोच बिजेंद्र पहलवान को भी सम्मानित किया गया। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने पदक विजेता पहलवान तुषार व रेणु का स्वागत-सम्मान करते हुए कहा कि दोनों ने पदक जीतकर गांव बराही का नाम रोशन किया है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार खेलों में पदक जीतने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि आज खेलों में रोजगार के सुनहरे अवसर मौजूद हैं। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। सरकार भी पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है।

बहादुरगढ़। बराही में तुषार व रेणु का स्वागत-सम्मान करते रविंद्र छिल्लर व अन्य।

दो चालकों के विवाद में ईंट से हमला, गाड़ी क्षतिग्रस्त

बहादुरगढ़। लाइनपार में दो गाड़ी चालकों के बीच विवाद हो गया। इस विवाद में एक गाड़ी प ईंट से हमला कर दिया गया। हमले में गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा है। चालक को जान से मारने की धमकी देने की भी बात सामने आई है। झगड़े की वजह जांच का विषय है। वत्स कॉलोनी के निवासी दीक्षित का कहना है कि वह अपनी गाड़ी लेकर घर जा रहा था। रात करीब 9 बजे जब शिवम अस्पताल के पास गंडासे वाली गली में पहुंचा तो सामने से एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी आई। गाड़ी ने हमारा रास्ता रोक लिया। फिर उसमें दो दो युवक निकले। उन्होंने हमारी गाड़ी के शीशों और बोनट पर ईंटों से हमला कर दिया। इसके बाद गाली गलोच और जान से मारने की धमकी देकर वे भाग गए।

सड़क सुरक्षा व साइबर क्राइम क जागरुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांसड स्टडीज इन टीचर्स एजुकेशन के छात्रावास में आयोजित वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम, नशा व सड़क सुरक्षा विषय पर जागरुक किया गया। संस्थान की प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने बताया कि वर्कशॉप की अध्यक्षता संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल ने की जबकि मुख्य वक्ता के रूप में एएसआई राखी ने भाग लिया। उन्होंने स्वयंसेवकों को मौजूदा हालात के मद्देनजर मॉक ड्रिल भी कराई गई तथा भविष्य में जरूरत पड़ने पर भारत की सुरक्षा व अखंडता को बनाए रखने के लिए हर संभव मदद की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने साइब क्राइम व सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी से भी विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए उन्हें हर प्रकार के नशे से दूर रहने की सलाह दी। इस मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर सविता यादव, नवबहार यादव, डॉक्टर बिजेंद्र, एनसीसी इंचार्ज सतपाल, मुकेश देवी, दीपक सैनी, खजान सिंह, नरेंद्र सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थी, संस्थान स्टॉफ सदस्य एवं मुख्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

गोदाम से राशन चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। अग्रवाल कॉलोनी स्थित एक गोदाम में हुई राशन चोरी की वारदात पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में तीन आरोपी पकड़े गए हैं। उनसे चोरी किया गया काफी राशन बरामद कर लिया गया है। तीनों जेल भेज दिए गए हैं। दरअसल, अग्रवाल कॉलोनी के निवासी महेश ने शिकायत दी थी कि तीन मई की रात को उनके गोदाम से तेल के 9 पीस 5 किलोग्राम, एक किलोग्राम चीनी के 300 पीस, चार कट्टे मैदा के 50 किलोग्राम सहित अन्य चोरी हो गया। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। लाइनपार थाना प्रभारी कृष्णकांत के अनुसार, मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमन, शिवम व सुजीत निवासी लाइनपार के तौर पर की गई। पकड़े गए आरोपियों से दो बंद कट्टे चीनी एक-एक किलो के 25 पैकेट, एक खुले हुए कट्टे में से एक-एक किलो के 20 पैकेट चीनी, एक बंद कट्टा चना 30 किलोग्राम, एक बंद कट्टा चावल 30 किलोग्राम व एक खुला कट्टा चावल 20 किलोग्राम बरामद किए गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

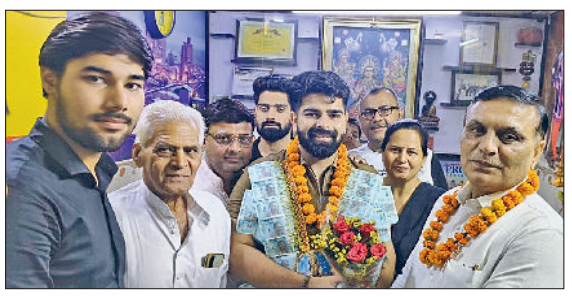

बहादुरगढ़। अभिनव दलाल को सम्मानित करते विधायक राजेश जून।

विधायक ने अभिनव को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। सीएसआईआर नेट जेआरएफ फिजिकल साइंस में देशभर में पांचवां स्थान हासिल करने पर विधायक राजेश जून ने होनहार अभिनव दलाल को सम्मानित किया। साथ ही उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। बता दें कि गांव छारा के मूल निवासी अभिनव दलाल ने स्कूली शिक्षा बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल से हासिल की थी। बीएससी फिजिक्स हानर्स, एमएससी फिजिक्स, एमए पीएसआईआर पढ़ने वाले अभिनव दलाल के पिता नरेश दलाल कुलाना के गवर्नमेंट कॉलेज में सुपरिंटेंडेंट हैं और मां सुषमा रोहद के गवर्नमेंट स्कूल में शिक्षिका है। विधायक राजेश जून ने कहा कि बहादुरगढ़ के बच्चे अपनी प्रतिभा के दम पर प्रतियोगी प्रतियोगिताओं में सफलता का परचम लहरा रहे हैं। युवा लक्ष्य जरुर निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। इस मौके पर अनुभव दलाल, ओजल, प्रांजल, आजाद राठी, मीनू राठी, अनिल राठी व मंजीत राठी आदि मौजूद रहे।

सुदामा चरित्र व व्यास पूजन के साथ कथा संपन्न

सुदामा गरीब नहीं थे, उनके पास थी श्री कृष्ण नाम का धन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के छोटूराम नगर में पार्षद राजकुमारी हरिमोहन धाकरे द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन शनिवार को वृंदावान से आए पंडित कृपाशंकर जी महाराज ने सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष व व्यास पूजन के साथ कथा को विराम दिया। श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन श्रीमद्भागवत का सार सुनने के लिए भक्तों का सैलाब कथा स्थल पर उमड़ पड़ा। कथावाचक पंडित कृपाशंकर जी महाराज ने सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथाएं सुनाई। उन्होंने बताया सुदामा जी के पास कृष्ण नाम का धन था। संसार की दृष्टि में गरीब तो थे, लेकिन दरिद्र नहीं थे। अपने जीवन में किसी से कुछ मांगा नहीं। पत्नी सुशीला के बार-बार कहने पर सुदामा अपने मित्र कृष्ण से मिलने गए। भगवान के पास जाकर भी कुछ नहीं मांगा। भगवान अपने स्तर से सब कुछ दे देते हैं। सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। उन्होंने परीक्षित के मोक्ष की कथा सुनाने के साथ ही व्यास पूजन करवाया। भक्तों को बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है, तो वहीं इसे करवाने वाले भी पुण्य के भागी होते है। कथा समापन से पहले पूर्व पार्षद हरिमोहन धाकरे ने भक्तों से भागवत को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने कथा के समापन के बाद रविवार को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

- श्रीमद्भागवत कथा का अंतिम दिन, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब।

बहादुरगढ़। कथा सुनने के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

समाज ने किया पवन जैन को सम्मानित

बहादुरगढ़। सकल जैन समाज ने भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन को सम्मानित किया। जैन समाज के प्रधान राजीव जैन ने शहर की अग्रवाल कॉलोनी में बनाए जा रहे भव्य श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सफल संचालन में दिए गए सहयोग के लिए स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया। बताया कि वे सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रम में सदैव अग्रणी रहते है तथा जैन समाज द्वारा किए जाने वाले हर कार्य में बढ़ चढ़कर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इस अवसर पर दीपक जैन, सुधीर जैन व मुनीश जैन आदि मौजूद रहे।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

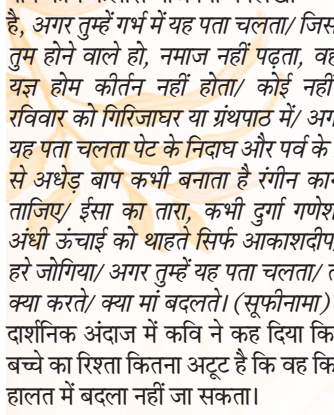

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांएं अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए, सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े होते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

'मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर मैं उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल

नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजनः माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभवः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसासः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलकः राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षणः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजाः राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानीः माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

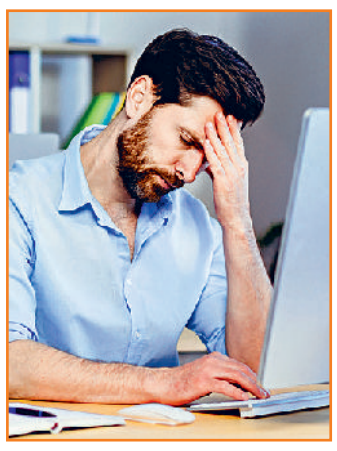

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैंः ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैंः वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैंः कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्तः लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसलेः लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाजः किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैंः जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेखः ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसितः हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गमः सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रमः भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारीः डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडियाः जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा रायः निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतनः अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागूः नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया। रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

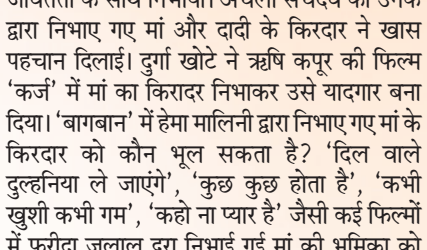

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

हजार चौरासी की मां जया बच्चनः जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

रीमा लागू

जया बच्चन

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *